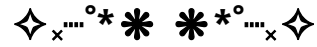


ચંદ્રશેખરાષ્ટકમ્

Chandrasekhar Ashtakam
in gujarati



॥ यंद्रशेखराष्टकम् ॥

यंद्रशेखर यंद्रशेखर यंद्रशेखर पाङ्गिमाम् ।
यंद्रशेखर यंद्रशेखर यंद्रशेखर रक्षमाम् ॥

रत्नसानु शरासनं रजताद्रि शृंग निकेतनं
शिंजिनीकृत पन्नगेश्वर मय्युतानल सायकम् ।
क्षिप्रदग्ध पुरत्रयं त्रिदशालयै-रभिवंदितं
यंद्रशेखरमाश्रये मम किं करिष्यति वै यमः ॥ 1 ॥

पंचपादप पुष्पगंध पद्मांबुज द्वयशोभितं
झालवीयन जातपावक दग्ध मन्मथ विग्रहम् ।
भस्मद्विग्ध कणेवरं भवनाशनं भव मव्ययं
यंद्रशेखर यंद्रशेखर यंद्रशेखर रक्षमाम् ॥ 2 ॥

मत्तवारण मुष्ययर्म कृतोत्तरीय मनोहरं
पंकजासन पद्मवीयन पूजितांघ्रि सरोरुहम् ।
देव सिंधु तरंग श्रीकर सिक्त शुभ्र जटाधरं
यंद्रशेखर यंद्रशेखर यंद्रशेखर पाङ्गिमाम् ॥ 3 ॥

यक्ष राजसभं भगाक्ष हरं भुजंग विभूषणम्
शैवराज सुता परिष्कृत यारुवाम कणेवरम् ।
क्षेण नीलगणं परश्वध धारिणं मृगधारिणम्
यंद्रशेखर यंद्रशेखर यंद्रशेखर पाङ्गिमाम् ॥ 4 ॥

कुंडलीकृत कुंडलीश्वर कुंडलं वृषवाहनं
नारदादि मुनीश्वर स्तुतवैभवं भुवनेश्वरम् ।
अंधकांतक माश्रितामर पादपं शमनांतकं
यंद्रशेखर यंद्रशेखर यंद्रशेखर रक्षमाम् ॥ 5 ॥

लेषं भवरोगिणा मज्जिवापदा मपहारिणं
दक्षयज्ञ विनाशनं त्रिगुणात्मकं त्रिविलोचनम् ।
भक्ति मुक्ति इवप्रदं सकलाघ संघ निवर्द्धणं
यंद्रशेखर यंद्रशेखर यंद्रशेखर रक्षमाम् ॥ 6 ॥

भक्तवत्सल-मर्यितं निधिमक्षयं हरिदंभरं
सर्वभूत पति परात्पर-मप्रमेय मनुत्तमम् ।
सोमवारिण भूडुताशन सोम पाद्यज्जिवाङ्गति
यंद्रशेखर यंद्रशेखर यंद्रशेखर पाडिमाम् ॥ 7 ॥

विश्वसृष्टि विधायकं पुनरेवपालन तत्परं
संहरं तमपि प्रपंच मशेषलोक निवासिनम् ।
कीडयंत महर्निशं गणनाथ यूथ समन्वितं
यंद्रशेखर यंद्रशेखर यंद्रशेखर रक्षमाम् ॥ 8 ॥

मृत्युभीत मृकंडुसूनुकृतस्तवं शिवसन्निधौ
यत्र कुत्र य यः पठेन्न हि तस्य मृत्युभयं भवेत् ।
पूर्वाभायुररोगतामज्जिवार्थसंपदमादरं
यंद्रशेखर अेव तस्य ददाति मुक्तिमयत्नतः ॥ 9 ॥

❖.....°* * *°.....❖

Free download PDF of all types of mantra, stotram, vandana, arati: chalisapdf.net